धारणीय विकास लक्ष्यों में भारत की प्रगति

- सस्टेनेबल डेवलपमेंट सॉल्यूशन नेटवर्क या धारणीय विकास समाधान नेटवर्क में भारत पहली बार शीर्ष 100 देशों में शामिल हुआ है। 2016 में, भारत 157 देशों में 110वें स्थान पर था। वर्तमान में 167 देशों में 99वें स्थान पर पहुँचा है।

- धारणीय विकास समाधान नेटवर्क या एसडीएसएन संयुक्त राष्ट्र से जुड़ा स्वतंत्र निकाय है। इसके प्रकाशनों पर नीति-निर्माता और सरकारें नजर रखती हैं।

- 11 अंकों की बढ़त में भारत को गरीबी उन्मूलन में बेहतर प्रदर्शन करने वाला बताया गया है। जबकि 2018 से उपभोग पर किए जाने वाले व्यय आंकड़ों की कमी और गरीबी रेखा को अपडेट नहीं किया गया है। इस कारण से भारत का गरीबी अनुमान विवादों में घिरा हुआ है।

- भूख और पौष्टिक आहार के संबंध में चिंता बनी हुई है। पौष्टिक आहार तक पहुंच के मामले में ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों एवं विभिन्न आय समूहों के बीच भारी असमानता बनी हुई है।

इससे जुड़े कुछ तथ्य -

- राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण का अनुमान है कि एक तिहाई या 35.5% से अधिक भारतीय बौने हैं। 2015-16 के 38.4% की तुलना में इसमें थोड़ा सुधार है।

- ऊंचाई के हिसाब से कम वजन या वेस्टिंग 21.0% से घटकर 19.3% हो गई है।

- 15-49 वर्ष के बीच के लोगों में 2006 से 2021 तक मोटापा लगभग दोगुना हो गया है। यह धनी और शहरी क्षेत्रों में बढ़ा है।

- बिजली की पहुंच में भारत ने अच्छा प्रदर्शन किया है।

- सौर और पवन ऊर्जा क्षमता में भारत आज चौथा बड़ा खिलाड़ी है।

- बुनियादी ढ़ांचे के प्रावधान में भारत का स्कोर बेहतर हुआ है।

हालांकि, इस अवधि में प्रशासन, कानून के शासन, प्रेस की स्वतंत्रता, संस्थानों की स्वायत्तता के मामले में भारत का प्रदर्शन पिछड़ रहा है। फिर भी भारत की प्रगति प्रोत्साहक है।

'द हिंदू' में प्रकाशित संपादकीय पर आधारित। 28 जून, 2025